

भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2088 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 29 जुलाई, 2022/07 श्रावण, 1944 (शक) को दिया जाना है

बंदरगाहों पर कार्गो का आवागमन

†2088. श्री बालाशौरी वल्लभनेनी :

क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान देश के प्रमुख बंदरगाहों में कार्गो संभलाई का बंदरगाह-वार, वर्ष-वार प्रतिशत कितना है;
- (ख) क्या विशाखापत्तनम बंदरगाह पर कंटेनर यातायात जेएनपीटी और मुंद्रा की तुलना में कम है;
- (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
- (घ) पिछले पांच वर्षों के दौरान देश के प्रमुख बंदरगाहों पर वर्ष-वार और बंदरगाह-वार यातायात में कितनी वृद्धि हुई है;
- (ङ) क्या एकट ईस्ट पॉलिनी से देश के पूर्वी तट पर स्थित बंदरगाहों पर निर्यात-आयात (एक्विजम) में लाभ हुआ है; और
- (च) सरकार द्वारा कार्गो के आवागमन और बंदरगाह संचालन की प्रक्रिया का डिजिटलीकरण शुरू करने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): पिछले पांच वर्षों के दौरान विभिन्न महापत्तनों पर संभाले गए कार्गो की पत्तनवार प्रतिशतता अनुबंध-1 में दी गई है।

(ख) और (ग): जी, हां। वर्ष 2021-22 के दौरान विशाखापट्टणम पत्तन पर संभाला गया कंटेनर टनेज, 85,83,000 टन था, जबकि इसी अवधि के दौरान जेएनपीए और मुंद्रा पत्तनों पर यह क्रमशः 6,90,92,000 टन तथा 8,90,98,000 टन था। इसके अतिरिक्त, सभी पत्तनों के पास भिन्न-भिन्न प्रकार के कार्गो संभालने वाली सुविधाएं हैं, जिन्हें लिक्विड बल्क, ड्राई बल्क, कंटेनर तथा ब्रेक बल्क कार्गो आदि श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है। जवाहर लाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण पर प्रमुख रूप से कंटेनरों की संभलाई की जाती है, जबकि विशाखापत्तणम पत्तन पर अनेक प्रकार के कार्गो संभाले जाते हैं। किसी पत्तन पर कंटेनर संभलाई क्षमता का निर्धारण, पत्तन पर उपलब्ध अवसंरचना पर निर्भर करता है।

(घ): पिछले पांच वर्षों के दौरान महापत्तनों पर यातायात की पत्तनवार वृद्धि अनुबंध-11 में दी गई है।

(ङ.): जी, हां। एक्ट ईस्ट पॉलिसी से देश के पूर्वी तट पर स्थित सभी पत्तनों पर निर्यात-आयात (एक्विजम) में लाभ हुआ है।

(च): सरकार ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (व्यापार सुगमता) की अनेक पहलों के साथ पत्तन आधुनिकीकरण और डिजीटलीकरण पर अत्यधिक जोर दिया है। पत्तन डिजिटलीकरण में वेब-आधारित ई-फार्म की शुरुआत, कंटेनर स्कैनरों तथा गेट आटोमेशन के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान आधारित प्रणाली स्थापित करना, भूमि रिकार्डों का डिजीटलीकरण करना आदि शामिल है। सभी महापत्तनों पर केंद्रीकृत बेव आधारित पत्तन समुदाय प्रणाली (पीसीएस1X) परिचालित की गई है, जिसके द्वारा एक समान इंटरफेस के माध्यम से विभिन्न हितधारकों के बीच निर्बाध रूप से डाटा प्रवाह संभव हो पाता है। पूर्णतया कागज रहित प्रणाली की दिशा में आगे बढ़ने के लिए ई-इनवायसिंग और ई-भुगतान के साथ पीसीएस के माध्यम से ई-डीओ (इलैक्ट्रॉनिक-डिलीवरी आदेश) को अनिवार्य बनाया गया। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर ध्यान केंद्रित करते हुए पीसीएस1X में ई-डिलीवरी आदेश, ई-इनवायसिंग और ई-भुगतान जैसे अनेक प्रावधान किए गए हैं।

अनुबंध-1

विभिन्न महापत्तनों पर संभाले गए कार्गो का प्रतिशत

(प्रतिशत में)

पत्तन	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
कोलकाता डॉक सिस्टम	2.56	2.65	2.46	2.36	2.12
हल्दिया डॉक काम्पलेक्स	5.96	6.47	6.62	6.76	5.96
पारादीप	15.02	15.63	15.99	17.03	16.13
विशाखापट्टणम	9.35	9.34	10.32	10.38	9.59
कामराजार	4.48	4.94	4.50	3.85	5.38
चेन्नई	7.64	7.58	6.63	6.47	6.74
वी.ओ.चिदम्बरनार	5.38	4.91	5.12	4.73	4.74
कोचीन	4.29	4.58	4.83	4.68	4.80
नव मंगलूर	6.19	6.08	5.55	5.43	5.46
मुरगांव	3.96	2.53	2.27	3.27	2.56
मुंबई	9.25	8.67	8.61	7.93	8.32
जवाहरलाल नेहरू	9.71	10.11	9.71	9.63	10.55
दीनदयाल	16.21	16.51	17.39	17.48	17.65

महापत्तनों पर यातायात में वृद्धि

(प्रतिशत में)

पत्तन	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
कोलकाता डॉक सिस्टम	3.45	6.68	-6.73	-8.11	-3.79
हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स	18.63	11.63	3.25	-2.60	-5.70
पारादीप	14.68	7.12	3.12	1.65	1.38
विशाखापट्टणम	4.12	2.78	11.36	-3.96	-1.16
कामराजार	1.42	13.31	-7.97	-18.46	49.65
चेन्नई	3.32	2.18	-11.80	-6.86	11.51
वी.ओ.चिदम्बरनार	-4.89	-6.13	5.05	-11.88	7.33
कोचीन	16.52	9.90	6.30	-7.45	9.67
नव मंगलूर	5.28	1.08	-7.91	-6.76	7.66
मुरगांव	-18.94	-34.26	-9.42	37.28	-16.06
मुंबई	-0.35	-3.57	0.18	-12.15	12.32
जवाहरलाल नेहरू	6.20	7.12	-3.19	-5.32	17.26
दीनदयाल	4.42	4.82	6.24	-4.11	8.11
